A statement depicting the arrests made with or without warrant, in accordance with the aforesaid provisions of CrPC in Delhi, as reported by Delhi Police, during the last three years and the current year (up to 31.05.2019), is as under:–

Year	Total number of arrests made with warrant	Total number of arrests made without warrant	Total number of arrests
2016	2539	100707	103246
2017	2307	121005	123312
2018	2665	121758	124423
2019 (up to 31.05.19)	1115	50433	51548

Targets under PMUY in Uttar Pradesh

*131. DR. ASHOK BAJPAI: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether annual targets for providing gas connections under Pradhan Mantri Ujjwala Yojana (PMUY) were fixed for Uttar Pradesh;

(b) if so, the details thereof for last two years;

(c) whether targets were achieved accordingly; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI DHARMENDRA PRADHAN): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (d) No State/UT-wise target has been fixed under Pradhan Mantri Ujjwala Yojana (PMUY). Government has set the target to release 8 crore LPG connections under PMUY. Year-wise connections released in the State of Uttar Pradesh are as under:–

Financial Year	Connections released
2016-17	55,31,159
2017-18	9,54,957
2018-19	64,76,981

डा. अशोक बाजपेयी: सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश में "प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना" के अंतर्गत जो उपभोक्ता अभी बाकी रह गए हैं, उनको कब तक "प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना" के अंतर्गत आच्छादित कर दिया जाएगा?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य को एक सुखद सूचना दूंगा कि उत्तर प्रदेश में कुल 3 करोड़, 84 लाख घर हैं। अभी सक्रिय एलपीजी कंज्यूमर्स, जिनका एक बहुत बड़ा हिस्सा "प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना" में भी है, उनमें से 3 करोड़, 74 लाख लोगों के घरों में एलपीजी कनेक्शन पहुंच गए हैं, यानी उत्तर प्रदेश में 98 परसेंट घरों में स्वच्छ ईंधन पहुंच गया है और आने वाले दो-चार महीनों में यह कोशिश की जाएगी कि उत्तर प्रदेश के शत-प्रतिशत घरों में एलपीजी कनेक्शन्स और उज्ज्वला योजना पहुंच जाए।

डा. अशोक बाजपेयी: सभापति जी, मैं इसके लिए माननीय मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा और साथ ही माननीय मंत्री जी से यह भी जानना चाहूंगा कि वहां इतने बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति के लिए व्यवस्था में जो सुधार करना होगा, क्या उसके लिए भी कोई कार्य योजना है, जिससे लोगों को समय पर गैस उपलब्ध हो सके?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: सभापति महोदय, माननीय सदस्य ने सही और मूलभूत प्रश्न उठाया है। ये 1 करोड़, 32 लाख कनेक्शन्स उज्ज्वला योजना के अंतर्गत ही लगे हैं। जब उत्तर प्रदेश जैसे प्रांत में शत-प्रतिशत लगा है, तब उसकी उपलब्धता क्या होगी, मैं आपको वह बताना चाहूंगा। सर, इसके लिए नये एलपीजी डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर्स खोले जा रहे हैं, नये बॉटलिंग प्लांट्स बनाए जा रहे हैं, नये टर्मिनल्स बनाए जा रहे हैं। अभी-अभी, लगभग 3 महीने पहले माननीय प्रधान मंत्री जी ने एक महत्वाकांक्षी प्रकल्प गुजरात के समुद्र तट से गोरखपुर तक, लगभग 2000 किलोमीटर की दुनिया की सबसे बड़ी, सिर्फ एलपीजी पाइपलाइन 12 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही है। सर, स्वच्छ ईंधन के मामले में उत्तर प्रदेश हमारी प्राथमिकता पर है।

श्रीमती जया बच्चन: सभापति महोदय, यह कहा गया है कि जो टारगेट है, वह 8 करोड़ का है और approximately 1.30 करोड़ की achievement है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि आपने यह टारगेट क्या सोचकर फिक्स किया था? क्या तीन सालों में आप सिर्फ इतना ही पूरा कर सके और इसमें जो महिलाएं हैं, उनको कितने सारे...**(व्यवधान)**,,,

श्री सभापति: जया जी, एक ही supplementary पूछिए।

श्रीमती जया बच्चन: सभापति जी, मैं इसी के अंतर्गत बोल रही हूं।

श्री सभापति: बोलने का सवाल नहीं है, सिम्पल सवाल पूछना है। आपने टारगेट के बारे में सवाल पूछा है।

श्रीमती जया बच्चन: सभापति जी, जब महिलाओं का नाम आता है, ...**(व्यवधान)**,,,

श्री सभापति: आपको पहले बताना था, आपने तो टारगेट पहले ले लिया।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : शायद आदरणीय सदस्या को थोड़ा confusion है। 8 करोड़ का टारगेट देश के लिए है, उसमें हमने उत्तर प्रदेश में 1 करोड़, 32 लाख के लगभग कनेक्शन्स लगा दिए

हैं। हमारा लक्ष्य अप्रैल, 2020 तक लगाने का था, लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि देश में इस 8 करोड़ के टारगेट को उस समय-सीमा के काफी पहले पूरा किया जाएगा। अभी लगभग 7.5 करोड़ कनेक्शन्स लग चुके हैं।...**(व्यवधान)**... उसमें सभी हैं। मैं आदरणीय सदस्या को विनम्रता से सूचित करना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी ने यह स्पष्ट योजना बनाई है कि कनेक्शन्स सिर्फ बहनों के नाम पर, माताओं के नाम पर लगने हैं।

श्री सभापति: आपको अपने प्रश्न का समाधान मिल गया।

श्री दिग्विजय सिंह: सभापति जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में 1 करोड़, 32 लाख उज्ज्वला कनेक्शन्स दिए गए, लेकिन उनमें से कितने प्रतिशत लोगों ने दूसरी बार अपनी टंकी भरवाई?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: सभापति जी, मैं माननीय दिग्विजय सिंह जी का हृदय से आभारी हूं कि उन्होंने मूल प्रश्न को उठाया है, क्योंकि इसके ऊपर पिछले दिनों बहुत वितर्क करने की कोशिश की गई है। उनकी जो विद्वत्ता है, जो वरीयता है, उसका इस हाउस को ऐसे ही लाभ लेना चाहिए। सभापति जी, कुछ दिनों पहले आपके और मेरे घर में भी एलपीजी कनेक्शन था। मैं आपको बताना चाहता हूं कि देश में आपके और मेरे घर में एलपीजी की औसत खपत 7 है। प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना की जो औसत खपत है - इसको जितने लोगों ने लिया है, वे सब गरीब लोग हैं, उनको खरीदने में दिक्कत थी, इसलिए सरकार ने उनको खरीदकर दिया है, उन लोगों की खपत 4 है। बाहर विश्व के कई सारे संगठन इस उपलब्धि को मोदी सरकार में मोदी एक्सपेरिमेंट की एक बहुत बड़ी उपलब्धि मानते हैं।

श्री दिग्विजय सिंह: आपने कितना बताया?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: चार..four.

श्री दिग्विजय सिंह: चार परसेंट?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: नहीं, चार। आप और मेरे घर में 7...**(व्यवधान)**,,,

श्री दिग्विजय सिंह: क्या चार बोतल?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: चार बोतल। ...**(व्यवधान)**,,,

श्री दिग्विजय सिंह: चार, क्या यह प्रतिशत है?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: 80 प्रतिशत लोगों ने चार बार refill करवाया।

श्री भुवनेश्वर कालिता: सर, मेरा एक प्रश्न है।

श्री सभापति: मैंने आपको बुलाया, तो आपने कहा कि आपका सवाल दिग्विजय सिंह जी ने पूछ लिया है।

SHRI BHUBANESWAR KALITA: It looks like similar to that. *Ujjwala Yojana* is one of the successful schemes of the Government and I congratulate the hon. Minister for

that. It is saving a lot of forest resources of our country. The beneficiaries, particularly women, have got the connection and they have got the first cylinder. But how much demand has come for the subsequent cylinders?

श्री धर्मेंद्र प्रधान: चेयरमैन सर, प्रश्न वही है। लगभग 80 प्रतिशत consumers की औसत खपत 4 हो चुकी है। आपके और मेरे घर में यह 7 है। ऐसे लोगों के घर में यह 7 है। हमने इसको भारत के district-wise public domain में ...**(व्यवधान)**,,,

SHRI DIGVIJAYA SINGH: Sir, we need your protection. ...*(Interruptions)*...

श्री धर्मेंद्र प्रधान: दिग्विजय सिंह जी, कम से कम आपसे तो यह अपेक्षा नहीं है। ...**(व्यवधान)**,,,

MR. CHAIRMAN: You are asking something specific. ...*(Interruptions)*... आप बैठ जाइए, प्लीज़। ...**(व्यवधान)**,,, आप बैठ जाइए। It is not going on record. ...*(Interruptions)*... आप अनुभवी हैं। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

SHRI DIGVIJAYA SINGH: *

श्री धर्मेंद्र प्रधान: चेयरमैन सर, देश के हर एक जिले की जानकारी हमने public domain में रखी है। दिग्विजय सिंह जी, आप जिस जिले की जानकारी चाहें, उसको देख सकते हैं, नहीं तो हम उसको दिखाने में मदद करेंगे। ...**(व्यवधान)**,,,

MR. CHAIRMAN: I am protecting the people's interest. I am here to protect the people who protect the rules. ...*(Interruptions)*... क्वेश्चन नं, 132.

Crimes committed against persons belonging to SCs, STs, OBCs and others

*132. SHRI P.L. PUNIA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the total crimes committed against persons belonging to SCs, STs, OBCs and others, State-wise in the years 2016, 2017 and 2018;

(b) the crime rate against persons belonging to SCs, STs, OBCs and others, State-wise in the years 2016, 2017 and 2018;

(c) whether it is a fact that crime rate against SC and ST communities has increased in the last three years, if so, the details thereof; and

(d) the steps taken by Government to ensure protection of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the last three years and the current year?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI G. KISHAN REDDY): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

---

*Not Recorded.